वर्ष :: 34 अंक : 32
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 05 मई, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

झारखंड को मोदी की गारंटी -

मैं जब तक जिंदा हूं, किसी को नहीं छीनने दूंगा आदिवासियों व पिछड़ों का आरक्षण

मोदी का झारखंड मिशन... प्रधानमंत्री ने खुद संभाला चुनावी मोर्चा, संजय, अर्जुन, गीता, बीडी राम और समीर के लिए मांगे वोट

विशेष संवाददाता

रांची : लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए झारखंड में अब चुनावी सरगर्मी अपने परवान पर आ चुकी है। पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप और चुनावी सभाओं का दौर तेज हो चुका है। इसी कड़ी में सूबे की राजधानी रांची से लेकर चाईबासा और पलामू से लेकर गुमला तक मोदी-मोदी की गूंज होती रही। 'मोदी-मोदी' एवं जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के बीच झारखंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने राज्य में खुद चुनावी मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने रांची में भाजपा सांसद प्रत्याशी संजय सेठ, सिंहभूम से गीता कोड़ा, खूंटी पर अर्जुन मुंडा, पलामू के वीडी राम और लोहरदगा प्रत्याशी समीर उरांव के लिए वोट मांगे।

राज्य में उनके दो-दिवसीय चुनावी दौरे की शुरूआत रांची में शुक्रवार शाम रोड शो से हुई। इस क्रम में उनकी एक झलक पाने को हिनू चौक से लेकर रातू रोड न्यू मार्केट चौराहे तक सड़क के दोनों ओर भारी तादाद में लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी खुली जीप पर सवार होकर करीब दो किलोमीटर तक चले। उनके साथ रांची के भाजपा सांसद एवं प्रत्याशी संजय सेठ और झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कभी हाथ हिलाकर तो कभी दोनों हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। रास्ते में कई जगहों पर लोगों ने उन पर फूल बरसाए। इनमें महिलाओं की भी बड़ी तादाद थी। पीएम मोदी के हाथ में भाजपा के चुनाव चिह्न कमल का छोटा कटआउट था, जिसे दिखाकर उन्होंने पार्टी के पक्ष में मतदान की मौन अपील की। रोड शो में लोग लगातार मोदी-मोदी और जय श्रीराम के नारे लगाते रहे। पीएम मोदी को देखने के लिए छतों, पेड़, होटल, जहां जिसे जगह मिली, वहीं ठहरे रहे।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पनाह देने का आरोप

पीएम मोदी ने झारखंड में झामुमो की अगुवाई वाली सरकार पर राज्य के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों को पनाह देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिर्फ वोट बैंक की भूख में इस सरकार ने घुसपैठियों को छूट दे रखी है। उनकी वजह से यहां की बहू-बेटियों की इज्जत पर खतरा पैदा हो रहा है। झामुमो इस राज्य में उसी कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गया, जिसने अलग झारखंड राज्य का विरोध किया। मौजूदा सरकार में आदिवासियों की सरेआम हत्या हो रही है। व्यापारियों को फिरौती के लिए धमकी भरे कॉल आते हैं और सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने हेमंत सोरेन का नाम लिए बगैर लोगों से पूछा कि झारखंड को भ्रष्टाचार और जंगल राज में झोंकने वालों को सजा मिलनी चाहिए कि नहीं? आपका हक लूटने वालों को सजा देने के लिए हमें आपके आशीर्वाद की जरूरत है। इंडी गठबंधन ने झारखंड की पहली महिला राज्यपाल और आदिवासी समाज से आनेवाली द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया। इन्हें आदिवासियों का सम्मान पसंद नहीं है।

ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पलामू और गुमला में जनसभा की, जहां उन्होंने कांग्रेस, झामुमो और इंडी गठबंधन पर खूब हमले किए। पलामू में पीएम ने भीड़ को देखकर कहा कि यह देख झामुमो और कांग्रेस के लोगों को दिन में तारे दिखा दिए। जनता के एक वोट से आज राम मंदिर बना। जम्मू-कश्मीर में 370 हट गई। मोदी ने कहा कि ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है। भारत ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था। पहले कोई समय ऐसा नहीं होता था कि देश की सेवा करते-करते नौजवान सीमा पर शहीद न होते हों। पहले ये हर महीने चलता था। आज ये सब बंद हो चुका है। ये आपके एक वोट ने किया है। कांग्रेस की डरपोक सरकार दुनिया में जाकर रोती थी। आज पाकिस्तान दुनियाभर में जा-जाकर रोता है। आज पाकिस्तान के नेता कांग्रेस को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं। मजबूत भारत आज मजबूत सरकार ही चाहता है। पीएम ने कहा कि मां भारती का अपमान नहीं सहेंगे।

विरोधियों पर साधा निशाना, कहा-

झारखंड को भ्रष्टाचार की आग में झोंकने वालों को जरूर मिलेगी सजा

रांची में रोड शो के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने चाईबासा में चुनावी महारैली को संबोधित करते हुए विरोधियों पर खूब निशाने साधे। उन्होंने कहा कि झारखंड को भ्रष्टाचार और जंगल राज की आग में झोंकने वालों को सजा जरूर मिलनी चाहिए। यह काम हम करेंगे और इसके लिए हमें झारखंड की जनता के आशीर्वाद की जरूरत है। इंडी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि ये लोग दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों का आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। कांग्रेस धर्म के आधार पर इनका आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने रातों-रात फतवा जारी कर मुसलमानों को ओबीसी बना दिया और इस तरह असली ओबीसी के आरक्षण पर डाका डाल दिया। उन्होंने चुनौती के लहजे में कहा कि जब तक मोदी जिंदा है, किसी को आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों का आरक्षण नहीं छीनने देंगे। बाबा साहेब अंबेडकर का बनाया संविधान नहीं बदलने देंगे, यह मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी और झारखंड के बीच दिल का रिश्ता बताया।

'कांग्रेस वोट के जिहादियों के साथ'

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने आम नागरिकों की संपत्ति की जांच की घोषणा की है, तो दूसरी तरफ वह चोरों की संपत्ति की जांच का विरोध करती है। वह आपकी संपत्ति छीनकर उन्हें देना चाहती है, जिन्होंने वोट जिहाद की घोषणा की है। कांग्रेस देश की संपत्ति पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताती है और मोदी कहता है कि देश की संपत्ति पर पहला हक गरीबों, वंचितों, दलितों का है। पीएम मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एक ओर आदिवासी विरोधी मानसिकता वाली कांग्रेस है, तो, दूसरी तरफ हमारे लिए आदिवासियों का विकास पहली प्राथमिकता है। आदिवासियों के विकास के लिए अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने सबसे पहले जनजातीय समाज के लिए अलग मंत्रालय बनाया। अलग से बजट दिया, जिससे आदिवासियों का विकास हो रहा है। जनजातीय भाषाओं में शिक्षा देने का फैसला भी बीजेपी ने ही किया। कांग्रेस ने तो आदिवासी इलाकों को अपने हाल पर छोड़ दिया था। बीते दस वर्षों में बीजेपी सरकार ने आदिवासी समाज के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

अब दिल्ली से ही चलाना पड़ेगा 'डंडा'

गुमला में पीएम ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को घेरा। कहा - ये मेरे खिलाफ वोट जिहाद कर रहे। ये कुछ भी कर लें, लेकिन देश पीछे हटने वाला नहीं और मोदी डरने वाला नहीं। इंडी गठबंधन को मूर्खों का सरदार बताते हुए कहा कि मेरे खिलाफ झूठ फैलाते हैं कि मैं आऊंगा तो आरक्षण खत्म कर दूंगा। मैं तो 10 साल पहले ही आ चूका। दो बार से पीएम भी हूं। सच तो ये है कि इंडी गठबंधन वाले आपके आरक्षण में डाका डालकर उसे मुसलमानों को देना चाहते हैं, लेकिन जब तक मैं हूं..., ऐसा होने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा - झारखंड में कोई ऐसा एग्जाम नहीं है, जिसका पेपर लीक नहीं होता हो। यहां की सरकार से कुछ नहीं होगा तो मुझे ही दिल्ली से बैठकर डंडा चलाना पड़ेगा। हमने पेपरलीक के लिए बड़ा कानून बनाया। पीएम ने कांग्रेस नेता धीरज साहू का नाम लिए बगैर कहा कांग्रेस पर नोटों का बंडल की गिनती से मशीन भी हांफने लगी थी। उसका काम के तहत अदालत कर रही हैं। उन्होंने कहा मोदी का एक ही संकल्प है कि भ्रष्टाचार हटाओ, इंडिया गठबंधन चाहती है भ्रष्टाचार लाओ। आने वाले पांच साल में ऐसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ डंडा चलेगा।

– संपादकीय –

समान नागरिक संहिता जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की जमीन तैयार कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस तरह उत्तराखंड में सभी ने इस संहिता को स्वीकार किया, वैसे ही राष्ट्रीय स्तर पर भी इस पर सहमति बनेगी। सच कहें तो ऐसा होना ही चाहिए, क्योंकि भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी है। दरअसल, संविधान निमार्ताओं ने भी संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया था, जिसमें यह कहा गया था कि राज्य पूरे भारत के नागरिकों के लिए समान संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। लेकिन, सच्चाई यही है कि संविधान लागू होने के बाद किसी भी केंद्रीय सत्ता ने समान नागरिक संहिता बनाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की। उलटे जब भी किसी राजनीतिक या न्यायपालिका ने इसकी आवश्यकता जताई तो वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों को डराने का प्रयास किया गया। इसे लेकर लोगों को डराने का सिलसिला आज भी जारी है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें समान नागरिक संहिता स्वीकार नहीं है। जबकि, इसका विरोध न सिर्फ संविधान निमार्ताओं की अपेक्षाओं का निरादर है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों के अनदेखी भी है। आखिर इसमें क्या समस्या है यदि देश के सभी समुदायों के लिए विवाह, तलाक, गोद लेने, विरासत, उत्तराधिकार आदि के कानून एक जैसे हों? समान नागरिक संहिता का निर्माण भाजपा के मुख्य मुद्दों में से एक है। चूंकि वह अपने दो मुख्य मुद्दे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लक्ष्य को पूरा कर चुकी है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि वह अपने तीसरे कार्यकाल में समान नागरिक संहिता लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करे। घोषणा पत्र में इसका उल्लेख करने के बाद प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के निर्माण की चर्चा कर यही संदेश दिया कि अब उसे राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू किया जाएगा। ऐसा किया जाना समय की मांग भी है और भारतीय समाज की आवश्यकता भी, क्योंकि विभिन्न समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि से संबंधित अलग-अलग कानून होने से एक तो महिलाओं और बच्चों के अधिकारों का हनन हो रहा है, दूसरे लोगों में यह आवश्यक संदेश नहीं जा रहा है कि हम सब भारतवासी एक जैसे कानून से संचालित हैं। समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय एकता की भावना को बल प्रदान करेगी ही, पंथ-मजहब की विभाजनकारी राजनीति पर भी अंकुश लगाएगी। समान नागरिक संहिता की जमीन तैयार करते समय केन्द्र की भावी सरकार को इस बात के लिए सचेत रहना होगा कि कहीं झूठ के सहारे फिर वैसा दुष्प्रचार न होने पाए, जैसा नागरिकता संशोधन कानून को लेकर किया गया।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

भारत के चुनाव में विदेशी षड्यंत्र

- दिलीप झा -
वरिष्ठ पत्रकार

बीजेपी-कांग्रेस में सब ठीक नहीं

नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का सपना देखने वाले बीजेपी के करोड़ों कार्यकर्ताओं को भरोसा है कि भारत जरूर विश्वगुरु बनेगा और विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर एक नए कीर्तिमान को स्थापित करेगा। लेकिन, साथ ही साथ यह भी प्रबल आशंका जताई जा रही है कि चुनाव में चीन और पाकिस्तान जैसे देश कुछ अन्य मुल्कों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ एक बड़ा षडयंत्र रच रहा हैं। उन्हें भारत को एक ताकतवर मुल्क बनते देखना पसंद नहीं है। इसके पीछे बड़ी लॉबिंग हो रही है। नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए वे किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं। इस मिशन में कामयाबी के लिए वे अलगाववादी? संगठनों से भी हाथ मिलाने के लिए आतुर हैं। इसके पीछे उनकी मानसिकता विश्वशक्ति के रूप में उभरते भारत को कमजोर बनाने की है। दरअसल, पिछले 10 साल में भारत ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, कई क्षेत्र में निर्यात चार गुना बढ़ा है। देश आत्मनिर्भर हुआ है। स्वदेशी हथियार बन रहे हैं। इसलिए, विश्व के शक्तिशाली देशों को मिर्ची लग रही है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पूरे विश्व में रक्षा और मेडिकल क्षेत्र की खरीद में जबरदस्त सौदेबाजी होती है।

पहले भारत में भी दूसरे देशों के दलाल दिल्ली आकर अरबों खरबों का सौदा करवाने में सफल हो जाते थे। लेकिन, पिछले 10 साल से मोदी सरकार ने उनकी दुकानदारी बंद कर दी है। इसलिए मोदी विरोधी शक्तियां दो चरण के मतदान के बाद सक्रिय होकर नए तरीके से चुनाव को प्रभावित करने में जुट गई हैं। सोशल मीडिया पर फेक वीडियो द्वारा गलत गलत चीजें प्रचारित-प्रसारित की जा रही हैं। हालांकि, आंतरिक और बाहरी पुख्ता सुरक्षा को लेकर तमाम एजेंसियां और इंटेलिजेंस के इनपुट पर मोदी सरकार गंभीरता से काम करती है।

सूत्र यह भी बताते हैं कि मध्यप्रदेश के कुछ बीजेपी नेताओं में भी आम चुनाव को लेकर उत्साह नहीं है। इसकी रिपोर्ट जब दिल्ली हाईकमान को मिली तो गृहमंत्री अमित शाह भागकर भोपाल आए और नेताओं को नसीहत दी कि उनके परफॉर्मेंस की मॉनिटरिंग हो रही है।। हालांकि, मतदान कम होने के पीछे कई कारण हैं। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने विधानसभा के चुनाव के दौरान भी प्रदेश के नेताओं को यह स्पष्ट निर्देश दिया था कि क्षत्रपों की राजनीति वाली मानसिकता से परहेज करें और समग्र और व्यापक सोच के साथ जनता और कार्यकताओं को मतदान के लिए जोड़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में हर बूथ पर 370 नए कार्यकताओं को जोड़ने के लिए कहा था, लेकिन प्रदेश स्तर पर यह कितना सफलीभूत रहा इसकी समीक्षा होनी चाहिए थी। कहने का आशय यह है कि कहीं जान-बूझकर उदासीनता तो नहीं दिखाई गई।

प्रदेश बीजेपी संगठन में पिछले कई वर्षों से सबकुछ ठीक नहीं है। खासकर, तब जब लोकसभा चुनाव के दो चरण चुनाव हो गए हैं और दोनों चरणों में मतदान वर्ष 2019 के मुकाबले लगभग छह प्रतिशत कम हुए हैं। मतदान कम होने के पीछे विरोधियों की तरफ से तरह-तरह की थ्योरी सामने आ रही है। लेकिन, इसके पीछे जो असलियत है, उसे इंकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेसी विचारधारा से जुड़े लोग यह मानकर चल रहे हैं कि हमारी सरकार नहीं बन रही है तो हम वोट डालने के लिए क्यों जाएं। सूत्र यह भी बताते हैं कि बीजेपी के दूसरे पंक्ति के नेताओं में अंदरूनी कहीं न कहीं कुछ नाराजगी है अथवा अति आत्मविश्वास में वे सराबोर हैं कि 400 पार तो आना ही है। हालांकि, राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद कांग्रेस पार्टी 10 दिनों तक कूप भवन में चली गई थी। लेकिन, उसे अचानक क्यों लग रहा है कि वह बीजेपी को टक्कर दे सकती है। यह ताकत उसे अचानक कहां से मिलने लगी, यह बात बीजेपी के हाईकमान को पता है। तभी पीएम मोदी ने बंगाल की धरती से राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि डरो मत, भागो नहीं।

यह जगजाहिर है कि कांग्रेस वर्षों से हिंदू भावनाओं से खिलवाड़ और तुष्टीकरण की राजनीति करती आई है, जो हिंदुओं को पसंद नहीं है। कांग्रेस की रणनीति कितना कारगर होगी, यह तो 4 जून को ही पता चलेगा, लेकिन चुनावी पिच पर बैकफुट में आने के बाद फिलहाल कांग्रेस को कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि करें तो क्या करें। क्योंकि, कांग्रेसी इस आम चुनाव में भी कोई बड़ा नैरेटिव बीजेपी के खिलाफ नहीं सेट कर पाए हैं।

इस बात से भी कोई इंकार नहीं कर सकता कि पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के नेताओं में अंदरूनी कलह चरम पर है और आए दिन किसी न किसी राज्य से बड़ा नेता पार्टी का दामन छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। इसका स्पष्ट संदेश जनता में जा रहा है। लोग कांग्रेस और राहुल गांधी के बारे में यह भी कह रहे हैं कि जिनसे घर नहीं संभल रहा, वो भला देश कैसे संभालेंगे।

हिन्दी कविता

गर्मी

कड़ी धूप, गर्मी प्रचंड,
पैंतालीस डिग्री तापमान।
सूरज अपने रौद्र रूप में,
आग उगलता आसमान।।

दिन भर कैद घरों में अपने,
जान बचाने को इन्सान।
खिड़की, दरवाजे, दीवार,
छूते ही लगते, अनल समान।।

खुद के पैर कुल्हाड़ी मार,
काट के पेड़ों को इंसान।

ढूँढ़ रहा है आज उन्हीं,
पेड़ों की छाया स्वर्ग समान।।

दूर बहुत और खंड-खंड,
बादल है बिखरा आसमान।
काश! एक हो, गरज-गरज कर,
बरसाए जल सुधा समान।।

सुधीर कुमार झा, कोलकाता

हे राम...! कहां गए जयराम?

हजारों की भीड़ में वन मैन शो का हीरो पुलिस प्रशासन को ठेंगा दिखा हुआ फरार

संवाददाता

बोकारो : वो जहां जाता है, संग सैकड़ों-हजारों लोगों का हुजूम उसकी बातें सुनने उमड़ पड़ता है। उसके मंच पर न तो कोई नेता, न अभिनेता और न ही कोई गणमान्य नजर आते हैं। होता है तो सिर्फ वह, वह भी अकेला। चाहे मंच हो या गाड़ी की छत, वह अकेला बोलता और हजारों लोग सुनते। हम बात कर रहे हैं जयराम महतो की। स्थानीयता की लड़ाई को झारखंड में तूल देकर वह 'वन मैन शो' का हीरो तो बन गया, लेकिन सियासत का रंग जैसे ही चढ़ा, पूरा का पूरा शो ही उसने खुद ही बिगाड़ डाला। हजारों लोगों का हुजूम और भारी लाव-लश्कर लेकर बोकारो में गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले झारखंड के युवा नेता जयराम महतो भरी सभा के बीच पुलिस प्रशासन की तथाकथित मुस्तैदी को ठेंगा पुलिस की हिरासत से कब फरार हो गया, किसी को अता-पता नहीं चला। पुलिस ने उन्हें जिला समाहरणालय में नामांकन के बाद अपनी हिरासत में ले लिया था। इसके बाद उन्हें सभा करने की भी अनुमति मिली थी, जहां पुलिस उनकी गिरफ्तारी का इंतजार करती रही और जयराम वहां से पुलिस को को चकमा देकर फरार हो गए। खबर लिखे जाने तक पुलिस के हाथ खाली थे।

इधर, पुलिस ने गुरुवार को उनके दो समर्थकों को पुलिस हिरासत से जयराम को भगाने के आरोप में उनके दो समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया। जयराम दो साल पहले झारखंड विधानसभा घेराव और प्रदर्शन के मामले में वांछित थे। जेबीकेएसएस सुप्रीमो जयराम महतो अब बोकारो पुलिस के अलावा रांची के नगड़ी ओपी, पुलिस के लिए अबूझ पहेली बन गए हैं। बताया जाता है कि जयराम की गिरफ्तारी नहीं होने पर बोकारो पुलिस टीम गठित कर छापेमारी में जुट गई। देर रात तक बोकारो व धनबाद के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई।

इस दौरान जयराम महतो तो नहीं मिले, बल्कि धनबाद के तीन समर्थकों को गिरफ्तार किया गया। इनमें संजय महतो, रिजवान अंसारी व फरजान खान के नाम शामिल हैं। पुलिस ने जयराम महतो को फरार घोषित कर प्राथमिकी दर्ज की और जयराम सहित 11 लोगों पर गिरफ्तारी में अवरोध उत्पन्न करने का आरोप लगाया। इसमें बचे सभी लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। मामले में पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश का कहना है कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी जयराम महतो के मामले में बोकारो पुलिस जांच कर रही है। इसके लिए

बोले जयराम- पहले से कोई नोटिस नहीं, विरोधियों की है साजिश

एक मई की सुबह करीब 11 बजे जयराम महतो अपने समर्थकों के साथ बोकारो समाहरणालय नामांकन के लिए पहुंचे थे। जहां उन्हें गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। इस पर नामांकन करने और सभा करने का आदेश लिया गया। इस दौरान जयराम महतो से गिरफ्तारी के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उक्त मामला 2022 का है, जब विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन किया गया था। प्रदर्शन के बाद रांची के हेडक्वार्टर-2 के तत्कालीन डीएसपी ने किसी प्रकार का केस नहीं होने की बात कही गई थी और अब अचानक से नामांकन के समय गिरफ्तार करने के लिए पुलिस पहुंची है। कहा कि केस के संबंध में कोई नोटिस नहीं दिया गया और गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह एक रणनीति के तहत किया गया है, क्योंकि विरोधियों को पता था कि एक दिन वह इलेक्शन जरूर लड़ेगा।

... और ऐसे हो गए लापता

नामांकन के चास के आईटीआई मोड़ के समक्ष स्थित लबुडीह मैदान में सभा शुरू हुई। जयराम साढ़े चार बजे तक ओपन रूफ वाली गाड़ी से बाहर निकलकर अपने समर्थकों से घिरे हुए तथा स्कॉर्पियो की छत पर सवार हो वन मैन शो की तर्ज पर भाषण देते दिखे। उनके चारों तरफ भारी तादाद में लोगों का हुजूम उमड़ा रहा। जब वह नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे, उस क्रम में जोधाडीह मोड़, तालगड़िया मोड़ से लेकर चंदनकियारी जानेवाले रास्ते में सड़क जाम की स्थिति बनी ही। इस दौरान सैकड़ों पुलिसकर्मी चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह व सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में मौजूद रही। सीआरपीएफ जवान के अलावा फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया था। जयराम के भाषण के दौरान ही शाम पांच बजने के 10 मिनट पहले चास एसडीपीओ दल-बल के साथ स्टेज के पास पहुंच गए थे। पुलिस स्टेज तक पहुंची भी तो समर्थक पुलिस बल के आगे खड़े हो जा रहे थे। हालांकि जयराम महतो समर्थकों को रोकते हुए पुलिस को आने देने के लिए बोल रहे थे और समर्थकों को शांत रहने की भी अपील कर रहे थे। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच कई बार ठेलमठेल भी हुई। इसी ठेलमठेल के बीच देखते ही देखते जयराम अचानक वहां से लापता हो गए।

रद्द हो सकता है नामांकन, दस्तावेज में खामी

एक तो पुलिस मुकदमा, ऊपर से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो जाना मुकदमे पर मुकदमा है। दूसरी तरफ, नामांकन में भी गड़बड़ी। ऐसे में जयराम महतो का नामांकन रद्द होने की भी आशंका बढ़ गई है। गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की निवार्ची पदाधिकारी सह बोकारो की उपायुक्त विजया जाधव की ओर से एक नोटिस जारी कर जयराम को सात मई को हाजिर होने को कहा गया। उक्त नोटिस में कहा गया है - ग्राम मानटांड़ तोपचांची धनबाद के रहने वाले निर्दलीय प्रत्याशी जयराम महतो को सूचित किया जाता है कि एक मई को तीन सेट में जमा किए गए नामांकन पर्चा में आपके द्वारा समर्पित नाम निर्देशन पत्र में उल्लेखित प्रस्तावकों में से सभी का हस्ताक्षर संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है। इसका सत्यापन करना आवश्यक है।

सियासत अनूप के अमर्यादित रवैये से आहत हो जिला उपाध्यक्ष जेपी द्विवेदी ने छोड़ी कांग्रेस, भाजपा ने गले लगाया

नहीं थम रहा कांग्रेस का अंतरकलह कुनबे को बचाकर रखना बड़ी चुनौती

संवाददाता

बोकारो : धनबाद लोकसभा क्षेत्र से बेरमो विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को कांग्रेस का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद से लेकर पार्टी में अंतर्कलह थमता नजर नहीं आ रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं दी सिटी सेंटर ट्रेडर्स एसोसिएशन के महासचिव ज्योति प्रकाश द्विवेदी ने भी कांग्रेस को अलविदा कह दिया। पिछले 30 वर्षों से कांग्रेस में सक्रिय राजनीति से जुड़े ज्योति प्रकाश की यह बगावत जिले में पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। छात्रसंघ, युवा मोर्चा, सेवा दल से वह जुड़े रहे और मौजूदा जिला कमिटी में उपाध्यक्ष पद पर थे।

एक खास बातचीत में ज्योति ने बताया कि विगत कुछ समय से पार्टी में सामंजस्य नहीं बन पा रहा था। दो दिन पूर्व बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में लोकसभा चुनाव के संदर्भ में हुई बैठक के दौरान अनूप सिंह ने अमर्यादित और धमकी भरे के लहजे में काफी बातें कहीं, जिससे अपनी नाराजगी जताते हुए उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को सूचित कर दिया और पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पद सहित प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। तदुपरांत अपने सैकड़ों साथियों के साथ बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। धनबाद भाजपा प्रत्याशी सह विधायक ढुल्लू महतो एवं बोकारो विधायक बिरंची नारायण के द्वारा अंगवस्त्र पहनाकर भाजपा में उनका स्वागत किया गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नीति व सिद्धांत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी कार्यों से वह काफी प्रभावित हुए हैं। उनके साथ भाजपा का दामन थामने वालों में अनीत सिंह दांगी, निकेश उपाध्याय, बिनोद पांडेय, मोनू कुमार, प्रशांत द्विवेदी, अनीश कुमार, शंकर मरांडी, मदन हांसदा, आनंदलाल महतो, सौरव रस्तोगी, विपिन अग्रवाल, उमेश सिंह, रितेश सिंह, अमरेंद्र कुमार, आनंद सोरेन, संजय कुमार आदि शामिल थे।

गौरतलब है कि अनुपमा सिंह को दिए जाने के विरुद्ध पार्टी के बोकारो जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम दुबे एवं पूर्व महासचिव सह वर्तमान आजीवन सदस्य अनिल सिंह ने इसके पूर्व नाराजगी जताते हुए अपना इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने टिकट की सौदेबाजी का आरोप भी जड़ा था। धनबाद में कांग्रेस के दिग्गज नेता ललन चौबे ने भी पार्टी को इसी मुद्दे को लेकर अलविदा कह दिया था। इसके अलावा, अन्य कई कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस की नीति पर असंतोष जताते हुए पार्टी से मुंह मोड़ लिया। जाहिर है, चुनाव से पहले ऐसी भगदड़ और पार्टी का कुनबा समेटकर रखना एक बड़ी चुनौती से कम नहीं।

भारत की माटी के कण-कण में छिपी है कला : डॉ. गंगवार

संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों को अपनी गौरवशाली संस्कृति, परंपरा और कलात्मक धरोहरों से अवगत कराने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में शनिवार को एक विशेष कार्यशाला ह्यकलाकृतिह्व आयोजित की गई। इस अवसर पर राजकीय सम्मान से नवाजे जा चुके पश्चिम बंगाल के जाने-माने टेराकोटा शिल्पकार बरेन कुंभकार मुख्य रूप से आमंत्रित थे। पंचमुरा (प.बं.) से पहुंचे श्री कुंभकार ने कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं को टेकारोटा कला की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने ऑन द स्पॉट भगवान गणेश, हाथी, शंख, घोड़ा सहित कई कलाकृतियां बनाकर बच्चों को अलग-अलग समूहों में इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। चाक घुमाना, मिट्टी को गढ़ना और सनी हुई मिट्टी से टेराकोटा आर्ट तैयार करना बच्चों के लिए यादगार अनुभव रहा। विद्यार्थियों ने स्वयं में छिपी कलाकृति को मिट्टी से आकार देकर अपनी प्रतिभा दिखाई। श्री कुंभकार ने बच्चों के कलात्मक विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो द्वारा किए गए इस आयोजन को काफी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कला के क्षेत्र में भी करियर की असीम संभावनाएं हैं।

अनुभव आधारित शैक्षिक कार्यक्रम के तहत आयोजित इस कार्यशाला को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने बच्चों के कौशल-विकास में अहम बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों में अपनी लोक-कलाओं की जानकारी आवश्यक है। टेराकोटा मिट्टी कला पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की माटी के कण-कण में कलात्मक विरासत छिपी हुई है, जिसे जानना और संजोए रखना जरूरी है।

शांतिपूर्ण और सफल निर्वाचन को लेकर प्रशासन कटिबद्ध : जाधव

गिरिडीह लोस क्षेत्र : 57,564 नए मतदाता देंगे वोट

संवाददाता

बोकारो : गिरिडीह संसदीय क्षेत्र में इस बार नए मतदाता काफी उत्साहित हैं। निवार्ची पदाधिकारी सह- बोकारो की उपायुक्त विजया जाधव के अनुसार विगत 20 जनवरी 2024 से अब तक गिरिडीह में 11984, डुमरी में 10578, गोमिया में 8646, बेरमो में 5788, टुंडी में 10010 तथा बाघमारा में 10558, कुल 57,564 नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए हैं। इस प्रकार वर्तमान चुनाव में गिरिडीह में 288973, डुमरी में 299934, गोमिया में 301707, बेरमो में 320326, टुंडी में 303314 तथा बाघमारा में 287591, कुल 18,01,845 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि अधिसूचना जारी होने के साथ ही पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू है। इसे सुनिश्चित करने के लिए 25 जोनल पदाधिकारी, 12 चेकनाका, 13 फ्लाइंग स्क्वाड (एफएस), स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) 12, वीडियो सर्विलांस टीम (वीएसटी) 05, वीडियो व्यूविंग टीम (वीवीटी) 05 एवं 05 एटी का गठन किया गया है। इसके साथ ही कंपोजिट कंट्रोल रूम प्रारंभ किया गया है। प्रशासन किसी भी हाल में स्वच्छ, निर्भीक और सफल निर्वाचन संपन्न कराने के लिए कटिबद्ध है। एक प्रेसवार्ता में श्री जाधव ने कहा कि जाति/धर्म एवं भाषा के आधार पर बैठक नहीं करनी है, इसे लेकर निगरानी का निर्देश प्राप्त हुआ है। इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। अगर ऐसा होता है तो आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) उल्लंघन का मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की सख्ती लगातार जारी : एसपी

पत्रकार सम्मेलन में बोकारो के पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने कहा कि जिले में निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने को लेकर पुलिस बल प्रतिबद्ध है और इसके लिए पूरी सख्ती बरती जा रही है। जिले में 12 स्थानों पर नाकेबंदी की विशेष व्यवस्था की गई है। अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। कुख्यात अपराधियों के विरुद्ध सीएए की कार्रवाई की गई है। जिले भर में लोग निर्भीक होकर मतदान करें, हमारा यह लक्ष्य है। पत्रकार सम्मेलन में निर्वाचन कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह- डीडीसी संदीप कुमार, सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह- अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती प्रतिभा कुजूर, मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह- जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, प्रभारी पदाधिकारी सह- सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

निदेशक प्रभारी ने दिलाई मतदान में भागीदारी की शपथ

बोकारो : बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के साथ इस्पात कर्मियों का नई सोच, नई दिशा नामक संवाद कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं, अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन, अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी बी करुणामय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने इस्पात कर्मियों को मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी को 25 मई को मतदान अवश्य करने का आह्वान किया तथा सभी को पूरी निष्ठा एवं मनोयोग से संयंत्र की प्रगति के लिए योगदान करने का सन्देश भी दिया, ताकि सेल सभी पैमानों पर अव्वल रहे। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की मोनिका ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बीएसएल के उत्पादन, उत्पादकता, उपलब्धियों और संबंधित पहलुओं की नवीनतम जानकारी, इस्पात उद्योग परिदृश्य इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला।

माता-पिता सबसे बड़े भगवान : आचार्य रूद्र कृष्ण

बोकारो : संडे बाजार छोटा क्वार्टर दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण का आयोजन किया गया। श्रीधाम वृंदावन से आए कथा वाचक आचार्य रूद्र कृष्ण महाराज ने राजा बलि की कथा श्रवण कराया, जिसमें बावन अवतार का भी दर्शन कराया गया। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे रास्ते पर जाना है तो संकल्प लेना जरूरी है। हर बच्चे को अपने माता-पिता की बातें माननी चाहिए और सबसे बड़ा भगवान माता-पिता ही होते हैं। जिनके ऊपर माता-पिता का आशीर्वाद है, उन्हें संसार में सब कुछ प्राप्त है। साथ-साथ हर एक माता-पिता को चाहिए कि अपने साथ अपने बच्चों को भागवत कथा सत्संग हो, कीर्तन हो, अपने साथ जरूर लाएं, क्योंकि धर्म की कथा सुनने से बच्चों में संस्कार अच्छा आता है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के एक-एक शब्द अमृत के समान है। इस कथा में आकर्षक झांकी का भी आयोजन किया गया।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिया जैविक खेती का संदेश

बोकारो : राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, यूनिट एक ने कैंपस के फलदार पौधे में गोबर खाद डालने की गतिविधि प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में कार्यक्रम पदाधिकारी डा प्रभाकर कुमार के नेतृत्व में आयोजित की। प्राचार्य ने कहा कि मिट्टी और पौधे के लिए जैविक खाद अमृत के समान हैं। प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. गोपाल प्रजापति ने कहा भूमि की उपजाऊ शक्ति जैविक खाद से बढ़ोतरी होती है। डा अरुण कुमार रॉय महतो ने कहा जैविक खाद से भोजन में पौष्टिकता बनी रहती है। कार्यक्रम पदाधिकारी डा प्रभाकर कुमार ने कहा- जैविक खेती एक पद्धति है जिसमें रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों तथा खरपतवार नाशकों के स्थान पर जीवांश खाद, गोबर खाद, कंपोस्ट हरी खाद, जीवाणु कल्चर, जैविक खाद आदि जैवनाशकों बायो पेस्टीसाइड आदि का उपयोग किया जाता है।

नक्सलियों ने चुनाव बहिष्कार को ले की पोस्टरबाजी

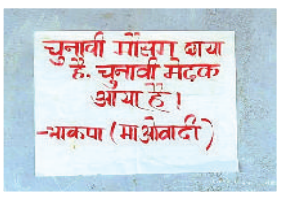

बोकारो थर्मल/गोमिया : बेरमो अनुमंडल के नक्सल प्रभावित झुमरा पहाड़ इलाके के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में भाकपा माओवादी नक्सलियों ने लोकसभा का चुनाव बहिष्कार को लेकर पोस्टरबाजी की। करीं पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुर्कनालो में शनिवार अहले सुबह पोस्टर चिपके मिले। चिपकाये गए पोस्टरों में लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की बातें लिखी हुई थीं। इसके अलावा, स्कूल प्रांगण में काफी पर्चियां चुनाव बहिष्कार को लेकर फेंकी गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने सभी पोस्टर व पर्चियों को हटा दिया। पोस्टरबाजी से इलाके के ग्रामीणों में दहशत देखा जाने लगा है। बड़कीटांड़ और तिसरी में भी पोस्टरबाजी की गई। इस घटना के बाद पुलिस और मुस्तैद हो गई है।

सीखने की प्रवृत्ति के विकास में प्रतिस्पर्द्धा महत्वपूर्ण : आशीष

विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए ईएसएल ने कराई अंतर-केन्द्र क्विज प्रतियोगिता

संवाददाता

बोकारो : वेदांता समूह की अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता की कड़ी में अंतर केंद्र क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्रोजेक्ट प्रेरणा केंद्रों (ट्यूटोरियल और ड्राइंग) एवं एक्सेल 30 क्लासेज जैसे शैक्षिक हस्तक्षेप कार्यक्रमों में नामांकित लगभग 100 लोगों ने बतौर प्रतिभागी भाग लिया। मोइन अंसारी, प्रिंसिपल, एमजेएम स्कूल, बिजुलिया सहित गणमान्यजनों में मनोज तिवारी, पूर्व मुखिया, चंदाहा पंचायत और संटू रॉय, उपाध्यक्ष, किसान युवा मोर्चा ने आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर, ईआर और पीआर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा कि ईएसएल स्टील लिमिटेड हमेशा अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के समग्र विकास और खुशी पर ध्यान केंद्रित करता है। इस तरह की पहल प्रतिभा को आगे बढ़ाती है, टीम निर्माण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है और एक जीवंत सीखने के माहौल को बढ़ावा देती है। पूरी प्रतियोगिता सीएसआर के उपप्रमुख राकेश मिश्रा की देखरेख में हुई।

पहल राजभाषा सशक्तीकरण को लेकर उठाया बड़ा कदम, दिया गया निर्देश

हिंदी में होंगे अब डीवीसी चंद्रपुरा के सभी काम

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र ने राजभाषा सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यहां के शत-प्रतिशत कार्यालयीन कामकाज अब हिंदी भाषा में ही संपादित किए जाएंगे। यही निर्णय लिया गया है। तेजस भवन के सम्मेलन कक्ष में इस संदर्भ में राजभाषा नोडल अधिकारियों और सभी विभाग के अध्यक्ष की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे सभी कार्यालय कार्यों का निपटारा हिंदी में ही करें।

बैठक में हिंदी पत्रों का जवाब हिंदी में ही देने, मूल पत्राचार के अधीन और भेजे जाने वाले पत्र हिंदी में भेजा जाना सुनिश्चित करने, ई ऑफिस में नोटिंग हिंदी में प्रस्तुत करने, सर्विस बुक और नोट शीट में की जाने वाली नोटिंग हिंदी में ही करने आदि पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी रवि सिन्हा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश साह, उप महाप्रबंधक राजीव रंजन ओझा, संजीव कुमार, दिलीप कुमार, ललन प्रसाद गुप्ता, राजकुमार चौधरी, श्वेता रानी , मुकेश कुमार, अजय कुमार, प्रतिमा खालको श्रीवत्स, सुनीता कमारी, संजीव कुमार, अक्षय कुमार, आर के निराला, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, वसंत कुमार महापात्रा, प्रदीप श्रीवास्तव, बलदेव राम, रामजी रजक आदि उपस्थित रहे।

गोड्डा संसदीय क्षेत्र में भाजपा को नई ऊर्जा

सियासत... पूर्व मंत्री हरिनारायण व पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष समेत कई हुए शामिल, निशिकांत दुबे ने किया स्वागत

विशेष संवाददाता

देवघर : देवघर-दुमका और गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को चुनाव से पहले नई ताकत मिल गई है। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री हरिनारायण राय ने अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। उनके साथ मुख्य रूप से देवघर जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी संतोष पासवान ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली। गोड्डा संसदीय क्षेत्र से सांसद बीजेपी प्रत्याशी निशिकांत दुबे ने हरिनारायण राय और उनके समर्थकों को बीजेपी का चोला ओढ़ाकर पार्टी में स्वागत किया।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में बीजेपी में शामिल होने पर पूर्व मंत्री हरिनारायण राय ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के विकास की गति को देखते हुए गोड्डा लोकसभा सीट का 15 साल में विकास हुआ है। विकास के चलते हम सबने भारतीय जनता पार्टी में आस्था जताते हुए शामिल हुए है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार हम लोग सांसद नहीं केंद्र में मंत्री बनाने के लिए वोट करुंगा। और बूथ पर मजबूती के साथ बीजेपी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करवाने का काम करुंगा। राय ने आगे कहा कि चौथी बार निशिकांत दुबे को सांसद बनाकर केंद्र में मंत्री बनाने का काम करेंगे।

बीजेपी सांसद व प्रत्याशी श्री दुबे ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास विजन व विकास की रफ्तार को देखते हुए लोग बीजेपी में शामिल हो रहे है। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व जिला उपाध्यक्ष संतोष पासवान पुनासी योजना को लेकर विस्थापितों के हक अधिकार के लिए लंब समय तक लड़ते रहे। कई बार जेल भी गए। अब इनके बीजेपी में शामिल होने से बीजेपी और मजबूत होगी और विपक्ष का सूफड़ा साफ हो जाएगा। मैं करीब दो लाख वोटों से लीड़ करूंगा। शामिल नेताओं ने कहा कि मौजूदा बीजेपी सांसद दुबे जाति की राजनीति नहीं करते है। सोनारायठाढ़ी इलाके में भारी तादाद में अल्पसंख्यक लोग रहते है।

दुमका-देवघर को मिलेगी ठोस पहचान : पासवान

भाजपा का दामन थामने वाले पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। गोड्डा संसदीय क्षेत्र में निशिकांत दुबे लगातार जीतते रहे हैं। संतोष ने कहा कि विकास उनका मुख्य ध्येय रहा है। जिप उपाध्यक्ष के पद पर रहते हुए उन्होंने क्षेत्र के उत्थान में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। अब भाजपा के साथ होकर वह श्री दुबे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा- हमलोग चाहते हैं कि क्षेत्र विकास करे और संपूर्ण भारतवर्ष में देवघर-दुमका की पहचान एक संपूर्ण विकसित क्षेत्र के रूप में हो।

फर्जीवाड़े से बने थे अफसर, अब खैर नहीं

सीबीआई ने जेपीएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर आरोप-पत्र किया दाखिल, 37 बने आरोपी

संवाददाता

रांची : फर्जीवाड़े से अफसर बन सरकारी सुख-सुविधाएं भोगने वाले लोगों की अब शामत आती दिख रही है। उन पर कार्रवाई की संभावनाएं तेज हो गई हैं। सीबीआई ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शनिवार को रांची स्थित सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट फाइल की है। इसमें कुल 37 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन दिलीप प्रसाद एवं आयोग के अन्य सदस्यों और जेपीएससी परीक्षाओं के जरिए अफसर बने लोग शामिल हैं।

झारखंड हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान वर्ष 2012 में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी। 12 साल से भी ज्यादा समय से चल रही यह जांच अब तक पूरी नहीं हुई थी। जांच में देरी को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने कई बार सीबीआई से जवाब तलब किया है। जांच एजेंसी ने इस मुद्दे पर कई बार स्टेटस रिपोर्ट भी दाखिल किया है।

बुद्धदेव उरांव नामक व्यक्ति ने जेपीएससी फर्स्ट एवं सेकेंड बैच की परीक्षाओं में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए 2008 में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। प्रथम सिविल सेवा में 62 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, जबकि द्वितीय सिविल सेवा में 172 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे। लेक्चरर नियुक्ति परीक्षा में 751 अभ्यर्थी सफल हुए थे। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इन परीक्षाओं की सीबीआई जांच करने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही नियुक्ति पर ही रोक लगा दी थी। इसके बाद सरकार और मुकदमे से प्रभावित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी, जहां से अभ्यर्थियों को राहत मिली थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश को बरकरार रखा था।

सीतामढ़ी में बढ़ा चुनावी तापमान, प्रत्याशियों का दौरा जोरों पर

जन-समर्थन मिला तो बदल देंगे जिले की सूरत : ठाकुर

संवाददाता

सीतामढ़ी : सीतामढ़ी संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव 2024 के 5वें चरण के लिए होने वाले नामांकन के पूर्व से ही भीषण गर्मी के इस मौसम में जिले में राजनीतिक तापमान भी बढ़ता जा रहा है। प्रत्याशियों का दौरा जोर-शोर से चल रहा है। इसी कड़ी में इस क्षेत्र से भाजपा-जदयू गठबंधन (राष्ट्रीय जनतंत्रिक गठबंधन) ने बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि राजद (इंडी गठबंधन) की ओर से पूर्व सांसद अर्जुन राय प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।

इस बीच यदि हम चुनाव प्रचार और जन-सम्पर्क अभियान की बात करें तो इसमें राजग उम्मीदवार देवेश चन्द्र ठाकुर सबसे आगे चलते दिख रहे हैं। बोखड़ा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में एनडीए प्रत्याशी श्री ठाकुर ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामीणों ने कहीं पाग दुपट्टा पहनाकर तो

कहीं फूल मालाओं से उनका जोरदार स्वागत करते हुए उन्हें चार लाख मतों से जीत का आशीर्वाद दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवेश चन्द्र ठाकुर ने कहा कि यदि उन्हें आम लोगों का स्नेह व समर्थन मिला तो जिले की सूरत बदली जाएगी। कहा कि उन्होंने शुरू से ही हमेशा जात पात से ऊपर उठकर राजनीति की है। इसी का प्रतिफल है कि वह पहली बार 2002 में तिरहुत स्नातक क्षेत्र से विधान पार्षद बने। तबसे आज तक उन्हें सभी जाति व धर्म के लोगों का समर्थन मिलता रहा है और वह पूरी ईमानदारी के साथ काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों के सहयोग व समर्थन से जिले के विकास के साथ देश स्तर पर सीतामढ़ी की पहचान दिलाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। लोगों ने उन्हें पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

उठी चिंगारी और वीरान हो गया झंझारपुर का राम चौक

मिथिला डायरी

मधुबनी : जिले के झंझारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राम चौक पर बिजली के ट्रांसफर्मर से उठी एक छोटी सी चिंगारी ने 11 दुकानदारों की आजीविका को जलाकर खाक कर डाला। दुकान समेत लाखों रुपए के उनके सामान जलकर राख हो गए। आग की लपटें इतनी तेज थी कि ट्रांसफॉर्मर समेत सभी तार जल गए। विभिन्न दुकानों में रखें तीन गैस सिलेंडर भी फटे जो करीब आधा किलोमीटर दूर जाकर गिरे। 2 सिलेंडर का ऊपर का पार्ट गिरा था। वहीं, एक सिलेंडर दुकान में ही फट कर रह गया। आग की लपटों ने देखते ही देखते सभी दुकान समेत दुकान में रखे सामान को जलाकर राख कर दिया। आग लगने की सूचना पाकर अग्निशमन वाहन और कर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगर अग्निशमन की गाड़ी समय पर नहीं पहुंचती तो झंझारपुर पुरानी बाजार राम चौक से पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में सघन बस्ती के कई और घर आग की भेंट चढ़ जाते और न जाने कुछ लोग भी हताहत हो जाते। जिनकी दुकानें जलीं, उनमें सब्जी विक्रेता सुरेश पासवान, अंडा व्यवसायी विजय पासवान, चाय दुकानदार सुनील साह, सब्जी दुकानदार अरविंद साह, फल दुकानदार गोविंद साह, केशव साह, प्रमोद राय, अनिल साह, चाय नाश्ता दुकानदार राजेश राय, महेश राय के नाम शामिल हैं। अगलगी ने घटना से राम चौक पूरा सुनसान हो गया है। यहां रोजी-रोजगार दुकान के माध्यम से होता था और लोग अपने परिवार का भरण- पोषण करते थे। आज ये लोग खुले आसमान के नीचे आ गए हैं।

साधना का श्रेष्ठ पर्व है अक्षय तृतीया

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

अक्षय तृतीया : 10 मई, 2024 पर विशेष- एक वैज्ञानिक विवेचन

जब भी कोई व्यक्ति नया कार्य, व्यापार अथवा घर में बच्चों की शादी, नवीन गृह प्रवेश अथवा नवीन गृह का निर्माण, नवीन वाहन क्रय जैसे कार्य करना चाहता है तो उसके मन में यह भावना अवश्य आती है कि मैं किस दिन यह नवीन कार्य प्रारंभ करूं, जिससे यह स्थाई रूप से मेरे लिए लाभकारी हो सके।

भारत में कोई व्यक्ति हर साल मकान नहीं बनाता, उसके जीवन में इच्छा होती है कि एक बार स्वयं का मकान, फ्लैट बनाऊं और वह मेरे लिए शुभ हो। इसी प्रकार हर चार, छह महीनों में कोई वाहन नहीं बदलता है। ऐसे हजारों कार्य हैं, जिन्हें वह स्थाई रूप से संपन्न करना चाहता है।

जीवन के इस चक्र में हर मनुष्य आशंकित अवश्य रहता है और सोचता है कि उसके कार्य का मुहूर्त ऐसा हो, जिससे कभी उसे असफलता का सामना नहीं करना पड़े। क्योंकि, हर तरफ अस्थिरता का वातावरण है। कब जीवन में कोई धोखा दे जाए, कब कार्य में व्यवधान आ जाए, यह सारी स्थितियां अनिश्चितता से भरी रहती हैं। ऐसी स्थिति में वह पंडितों के पास जाता है और मुहूर्त पूछता है। वहां अलग-अलग ज्योतिषियों से अलग-अलग मुहूर्त पाता है। फिर और अधिक भ्रम की स्थिति आ जाती है। इस विषय में पर हमारे ऋषियों ने भी गणना की और विचार किया कि प्रत्येक मनुष्य के लिए कौन सा दिन श्रेष्ठ है, जिस दिन वह जीवन निर्माण और गृहस्थी में स्थायित्व हेतु नए कार्य प्रारंभ करें और ऐसे दिवसों की क्या विशेषता होनी चाहिए।

पूर्ण गणना, विवेचन के आधार पर उन्होंने सिद्ध किया कि वर्ष में तीन मुहूर्त ऐसे होते हैं, जो अपने आप में स्वयं सिद्ध हैं। इस प्रत्येक मुहूर्त के पीछे उन्होंने विवेचनात्मक वर्णन भी अवश्य दिया, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रांति न हो। यह तीन मुहूर्त निम्न प्रकार से हैं:-

1. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (चैत्र नवरात्रि प्रथम दिवस)
2. वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया (अक्षय तृतीया)
3. आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी (विजयादशमी)

प्रस्तुत लेख में हमारा विवेचन अक्षय तृतीया से संबंधित है, जो 10 मई, 2024 को है। इसके पीछे वैज्ञानिक पौराणिक और ज्योतिषी आधार क्या है, यह स्पष्ट किया जा रहा है-

- अक्षय तृतीया को योग दिवस कहा जाता है और इस दिवस को त्रेता युग प्रारंभ हुआ था। इस युग के बारे में हम सबको जानकारी है, जब राम ने इस सृष्टि में अपना लीला विहार किया था। अतः यह युगांतर दिवस भी कहलाता है।

- अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु के अवतार परशुराम का जन्म हुआ था, जिन्होंने पृथ्वी पर वैदिक धर्म की स्थापना की तथा राजशाही को समाप्त किया था। उनके हाथ में फरसा शस्त्र था। सामान्यतः ब्राह्मण के हाथ में कोई शस्त्र नहीं होता है, लेकिन उन्होंने अपने इस अवतार रूप में यह सिद्ध किया था कि पृथ्वी पर संकट आने पर ब्राह्मण भी अस्त्र-शस्त्र उठाकर सृष्टि में धर्म स्थापना कर सकता है। उनके बारे में और कई कथाएं अवश्य आती हैं, जिनके बारे में इस लेख में विवेचन करना संभव नहीं है।

- इस दिन श्रीबलराम का जन्म हुआ था, जो भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई थे और उनका शस्त्र हल था। ऋषि गर्ग उनका नाम राम रखना चाहते थे, लेकिन लोगों ने कहा कि भगवान राम तो त्रेता युग में हुए हैं। तब ऋषि ने कहा कि इस बालक में अतुलित बल होगा, इस कारण संसार में यह बलराम के नाम से जाना जाएगा। बलराम का दूसरा नाम हल अस्त्र होने के कारण ह्यहलायुधह्ल तथा अद्भुत संगठन शक्ति के कारण ह्यसंकर्षणह्ल होगा। बलराम को विष्णु का अवतार भी माना गया है। इसके पीछे कथा यह है कि लक्ष्मण ने त्रेतायुग में भगवान राम की बहुत सेवा की और भगवान राम ने यह वरदान दिया कि इस जन्म में तुमने मेरी बहुत सेवा की है, अगले जन्म में तुम मेरे बड़े भाई होओगे और मैं तुम्हारा छोटा भाई बनकर तुम्हारी सेवा करूंगा।

- भगवान वेद व्यास ने जब महाभारत कथा लिखने का विचार किया तो सारी कथा का विचार कर उनका धैर्य कम हो गया। तब भगवान का आदेश आया कि तुम बोलते रहो और गणेश लिखते रहेंगे, जिससे पूरी रचना में व्यवधान नहीं होगा। यह शुभ कार्य वेदव्यास जी ने इसी दिन प्रारंभ किया था और महाभारत द्वापर युग का ऐसा विवेचनात्मक ग्रंथ है, जिसमें उस काल की प्रत्येक घटना स्पष्ट है, जिससे कलयुग में मनुष्य जान सके कि जीवन में उतार-चढ़ाव, लाभ-हानि, मित्रता-द्वेष, यश-अपयश क्या होता है तथा जो व्यक्ति श्री कृष्णा अर्थात भगवान का ध्यान कर उनके सम्मुख नम्रता है, वही संसार चक्र में विजयी होता है।

- पौराणिक विवेचन के अनुसार जब पांडव 12 वर्ष के वनवास काल में थे और उन्हें भोजन इत्यादि की समस्या होने लगी, तब द्रौपदी ने सोचा कि इस प्रकार तो पांडवों की शक्ति क्षीण हो जाएगी और वे जीवन में पुनः अपना राज्य प्राप्त नहीं कर सकेंगे। द्रौपदी ने श्री कृष्ण की आराधना की और भगवान श्री कृष्ण ने अक्षय पात्र प्रदान किया, जिसमें इच्छानुसार संपूर्ण भोजन प्राप्त हो जाता था तथा वह पात्र कभी खाली नहीं होता था। अक्षय पात्र के संबंध में और भी विवेचन आता है कि यह धन और धान्य लक्ष्मी को घर में स्थापित करने का सर्वश्रेष्ठ पात्र है। इसीलिए इसकी पूजा करनी चाहिए और स्थाई वस्तु का घर में आगमन होना चाहिए। इसी परंपरा के अनुसार लोग अपनी श्रद्धा शक्ति के अनुसार स्वर्ण पात्र, रजत पात्र, गहना, बर्तन इत्यादि इस दिन क्रय कर घर लाते हैं, जिससे उस पात्र के माध्यम से लक्ष्मी स्थाई रूप से उनके यहां निवास करें।

- दुर्गा शक्ति विजया चामुंडेश्वरी ने इसी दिन असुरों का नाश किया था। इस दृष्टि से यह दिवस ह्यविजय दिवसह्ल भी कहलाता है।

- इस दिन चार धाम में प्रमुख बद्रीनारायण धाम और केदारनाथ धाम के द्वार शीत ऋतु के बाद खुलते हैं, जिससे लोग दर्शन करने आ सकें। इस कारण यह देव पूजन का सर्वश्रेष्ठ दिवस है।

- भगवान जगन्नाथ के रथ का निर्माण इसी दिन प्रारंभ होता है, जिसे चंदन महोत्सव कहा जाता है।

- सबसे विशेष बात यह है कि अक्षय तृतीया के दिन ही गंगा मैया ने भागीरथ के प्रयास से पृथ्वी पर अवतरण किया था।

- इस प्रकार वैज्ञानिक दृष्टि से, पौराणिक दृष्टि से तथा अन्य विवेचनों से भी अक्षय तृतीया का सर्वाधिक महत्व स्पष्ट होता है।

- साधनात्मक दृष्टि से इस दिवस को तांत्रोक्त विजय साधनाएं, धन-धान्य से संबंधित लक्ष्मी साधनाएं, अक्षय पात्र साधनाएं, विष्णु साधनाएं, परशुराम साधना और पूजन संपन्न किया जाना चाहिए। **(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)**

गर्मियों में रखना है अपनी सेहत का ख्याल, तो काम आएंगे ये टिप्स

लू के थपेड़े और झुलसाती गर्मी में सेहत की समस्या आम बात है। इस मौसम में पाचन यानी डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं भी अधिक होती हैं। किसी भी तरह के इंफेक्शन का जोखिम भी बढ़ते तापमान के साथ बढ़ जाता है, ऐसे में गर्मी के दिनों में आपको अपनी सेहत का अधिक और खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। इस दिशा में कुछ टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं, आइए जानते हैं-

- हल्का और हेल्दी फूड : गर्मियों के दिनों में जरूरी है कि हल्का भोजन करें. आप चाहें तो थोड़ा-थोड़ा कई बार खा सकते हैं, लेकिन एक ही बार अधिक खाने से परहेज करें। बहुत ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और फैट वाले फूड से शरीर में बहुत अधिक गर्मी पैदा होती है। ताजे फल और सब्जियों का सेवन बढ़ा दें, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जैसे कि संतरे, तरबूज, टमाटर, नारियल पानी आदि।

- खूब पानी पिएं : गर्मी में धूप और पसीने की वजह से डिहाइड्रेशन का खतरा काफी ज्यादा रहता है। वहीं, इससे बुखार का खतरा भी रहता है, इन समस्याओं से बचने के लिए आपको पर्याप्त पानी पीने और खुद को हाइड्रेटेड रखने की जरूरत होती है।

- घर के अंदर रहें : बाहरी गतिविधियों को दिन के ठंडे घंटों में करने की कोशिश करें। बाहर के कामों या ऑफिस आने जाने के लिए सुबह 11 बजे से पहले या देर शाम 5 बजे के बाद का समय तय करें।

- शराब और कैफीन से रहें दूरी : शराब और कॉफी आपको डिहाइड्रेट कर सकते हैं। इन ड्रिंक्स से परहेज करें। इसके बजाय गर्मी के मौसम में सादे पानी के साथ फलों के जूस का सेवन बढ़ा दें।

- बाहर के खाने से परहेज करें : स्ट्रीट फूड दूषित हो सकता है, जो बीमारियों को दावत देता है। ऐसे में गर्मियों के दिनों में बाहर खाने से परहेज करें। पेट की एलर्जी और बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचने के लिए बाहर के खाने से दूरी बना लें।

- आंखों का रखें ख्याल : अपनी आंखों को कड़ी धूप से बचाने के लिए सुरक्षात्मक आईवियर पहनें। बाहर निकलने पर धूप से बचाने वाले ग्लास पहनें जो 99 फीसदी तक पराबैंगनी किरणों को रोकते हों।

प्रस्तुति : विकास

बीएसएल : विस्तारीकरण की ओर बढ़े ठोस कदम

शिखर सम्मेलन... ब्राउनफील्ड परियोजना की डीपीआर को ले किया गया विचार-मंथन, सेल के कई अधिकारी हुए शामिल

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के ब्राउनफील्ड विस्तारीकरण की परियोजना अब एक कदम और आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख हितधारकों और बिडर्स का शिखर सम्मेलन मानव संसाधन विभाग के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों के साथ तमाम हितधारकों और बिडर्स ने डीपीआर सहित संबंधित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की। गहन मंथन किया गया तथा आवश्यक रणनीति तय की गई। शिखर सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य बिडर्स, प्रमुख हितधारकों, सलाहकार और बीएसएल के बीच ब्राउनफील्ड विस्तारीकरण की लागत, निष्पादन समय सीमा, और समय पर परियोजना के लिए इष्टतम कार्यान्वयन रणनीति निर्धारित करना रहा।

सम्मेलन का शुभारंभ अनिमा कुशवाहा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) के स्वागत भाषण तथा अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) के द्वारा सहयोगात्मक सफलता की ओर विषय के अंतर्गत साझा की गई अंतर्दृष्टि के साथ शिखर सम्मेलन को औपचारिक रूप से शुरू किया गया। अनूप कुमार अधिशासी निदेशक (कोलियरीज), एस मुखोपाध्याय अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) भिलाई स्टील प्लांट, आलोक वर्मा अधिशासी निदेशक (माइंस) ओजीएम, एस के वर्मा अधिशासी निदेशक (सी ई टी), तरुण मिश्रा अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राउरकेला स्टील प्लांट तथा पी के रथ अधिशासी निदेशक (एस आर यू) शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में शामिल थे। कार्यक्रम में बीएसएल के महाप्रबंधक (ब्राउनफील्ड विस्तार) नरेश कुमार बेहरा तथा मेसर्स एमएन दस्तूर के प्रतिनिधि के द्वारा कच्चे माल से स्टील बनाने और डायरेक्ट रोलिंग जैसे प्रमुख विषयों पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का प्रस्तुतीकरण किया गया। पी एच शर्मा मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) एस पी दास महाप्रबंधक (सीईटी) तथा एमटी राव, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) सेल निगमित कार्यालय ने पैनल चचाओं में अपना अहम योगदान किया।

4500 मी. क्यूबिक का ब्लास्ट फर्नेस, दो बेसिक ऑक्सीजन प्लांट सहित लगेंगी कई इकाइयां

बीएसएल के विस्तार के लक्ष्य में 4500 मीटर क्यूब का ब्लास्ट फर्नेस, 165-टन कैपेसिटी का दो बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बी ओ एफ), सिंगल स्ट्रैंड का स्लैब कॉस्टर तथा डायरेक्ट रोलिंग जैसी प्रमुख इकाइयां स्थापित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त कच्चे माल के भंडारण और हैंडलिंग की सुविधाओं में वृद्धि तथा इसकी सहायक प्रणाली का विस्तारीकरण करके कुशल परियोजना निष्पादन की योजना है। आज के शिखर सम्मेलन ने सभी प्रतिभागियों को स्टील बनाने के लिए रणनीतिक रूप से कच्चे माल की उपलब्धता की योजना बनाना, नवोन्मेषी परियोजना प्रबंधन को अपनाना तथा समयबद्ध तरीके से परियोजना को पूरा करने के चर्चा के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि सेल -बोकारो सहित देश की अन्य इस्पात कंपनियां भी अपनी क्षमता विस्तार की प्रक्रिया में है, जो देश के भविष्य की मांग के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि इस अहम कार्य की सफलता के लिए सभी सम्बंधित पक्षों के बीच कार्य योजना के विषय में स्पष्टता और सामंजस्य आवश्यक है।

महुआ का दर्द

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
बंगलुरू, मो.- 8618093357

व्यंग्य

महुआ अपनी पीली आभा के साथ भीनी-भीनी सुगंध बिखेरते हुए शांत मन से टकटकी लगाए आसमान की ओर टुकुर-टुकुर ताक रही थी। मानो ईश्वर से अपने लिए न्याय मांग रही हो। बगल वृक्ष की टहनियों पर झूलते, आम ने चुटकी ली। 'क्या हुआ महुआ रानी...? तुम्हारी चंचलता कहां गायब हो गई। मैं देख रहा हूं, कई वर्षों से तुम गुमनामी के अंधेरे में खोती जा रही हो, जबकि तुम में दमखम वही पुराना वाला है। अरे! चुप्पी तोड़ो, महुआ रानी कुछ तो बोलो।'

- 'हे रसाल! मेरा आंतरिक दर्द बोलने की इजाजत नहीं दे रहा। मैं अपनी घुटन बयां नहीं कर पाऊंगी। मुझे मेरे हाल पर छोड़ दो।'

- 'अरे! ऐसे कैसे छोड़ दूं। अपनी व्यथा विश्वास पात्र से साझा करना सीखो, मन हल्का होगा. फिर, मैं तो तुम्हारा अपना... समझ गई न।'

-'मेरी हंसी तो नहीं उड़ाओगे?' भींगी पलकों से महुआ ने रसाल की ओर देखा। उसके चेहरे पर अपनत्व का भाव देख, बोल पड़ी, ह्यतुम तो अभी भी, फलों के राजा हो और शायद चिर काल तक अपने पद पर विराजमान भी रहोगे, किन्तु अब मैं फलों की रानी नहीं रही, इसलिए न तुम्हें स्वामी कहने का मन होता है, न किसी से बातें करने का दिल।'

-'ऐसे मत बोलो महुआ, अभी भी तुम्हारी मिठास, तुम्हारी सुगंध, तुम्हारी उपयोगिता किसी के पास नहीं है, फिर तुम खुद को रानी होने से वंचित क्यों समझ रही हो? तुम रानी नहीं, महारानी हो? इस तरह की बातें क्यों सोचती हो?'

- 'समय के क्रूर प्रहार ने मेरी सोच बदली है। पहले भारत विद्वानों का देश था। यहां ज्ञान और गुण के आधार पर राजकीय पदों की स्थापना होती थी। अब समय बदल गया है। किसी की जाति, धर्म बदलने में बस तीन पीढ़ी की जरूरत होती है। मेरी आभा स्वर्णमय है। कई प्रकार की औषधियां बनाने में काम आती हूं, मुझसे मिष्ठान बनता है, मेरी मीठी खुशबू मीलों तक जाती है। उत्तम प्रकार की सुरा मेरे रस से बनती है। सब कुछ जानते हुए भी कुछ साहित्यकारों ने मेरी मदिरा को सस्ती कह मेरी गरिमा को धूल-धूसरित कर दिया। मंगुस्तान को रानी की उपाधि दे दी, जिसे मलयालम में कट्टम्पी, बंगाली में काओ, मराठी में कोकम और कन्नड़ में हन्नू कहते हैं। वह लीची की ही एक प्रजाति है।'

- 'किसी के गुणगान करने से क्या होता है? तुम्हारा महत्व नहीं घटने वाला।'

- 'आप भी सतर्क रहिए, वह दिन दूर नहीं जब आपके स्थान पर कटहल या केला को सर्वगुण संपन्न कह उन्हें राजा घोषित कर दिया जाए। बेर, फलसा, करौंदा, अमरख आदि अपने थोड़े-से स्वार्थ के लिए उन्हें वोट देने में जरा भी संकोच नहीं करेंगे।'

- 'महुआ, ऐसे मत बोलो, मुझे हार्टअटैक आ जाएगा या ब्रेन हेमरेज हो जाएगा। मेरी धड़कन बढ़ती जा रही है।'

- 'रसालजी, समय के अनुसार धैर्य रखना सीखिए.घोर कलयुग चल रहा है, जो पहले पूजे जाते थे, पवित्र-पावन होते हुए भी आज उन्हें ही घृणा का पात्र बनाया गया है। उनके पूर्वजों की तपस्या को शोषण की संज्ञा दे, उन्हें उपेक्षा और दंड का उत्तराधिकारी घोषित करते हुए सत्ता के लिए किसी नक्कारे सरकार ने इस गलत नीति पर ठप्पा क्या लगाया, सारी सरकारें लकीर की फकीर बन बैठी हैं।'

- 'तुम ठीक बोल रही हो, पर मेरे जैसा उपयोगी शायद ही कोई फल हो। कटहल को देखो, कितना बड़ा और बेडौल दिखता है। उसके शरीर पर केवल कांटे ही कांटे हैं। केला जो अपने जीवन में केवल एक बार फलता है, वह भी आसमान ताकते हुए।'

- 'मैं किसी को गुणहीन नहीं मानती। सभी के गुणों की कद्र होनी चाहिए। पर, सत्ता उसे ही शोभती है जो अपने गुणों से चहुंदिश विकास करें। परिवारवाद या अपनी हेठी लेकर न चले। सेब, अमरूद, पपीता आदि की कीमत आप से काम नहीं है. पर, वे सत्ता के सहायक हैं, लोभी नहीं।'

-'मैं क्या करूँ महुआ, मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा। मुझे अपना ताज छिन जाने का दुख नहीं है। दुख है तो तुम्हारी तरह गुमनामी के अंधेरे में खोने का, मैं तुम्हारे दुख को बढ़ाना नहीं चाहता, किन्तु यह भी सत्य है कि उपयोगी होते हुए भी नई पीढ़ी के लोग, मुश्किल से तुम्हें जानते हैं। तुम्हारी तरह कहीं मेरी हस्ती खो गई तो फलों का साम्राज्य चरमरा जाएगा।'

- 'मेरी मानिए, अपनी सत्ता, अपने लिए नहीं, साम्राज्य की सलामती के लिए साम दाम दंड भेद से बचाइए। शायद आप मक्कारों से अनभिज्ञ हैं। आपको गिराने के लिए सारे टुटपुंजिये तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। खुद को हरिश्चंद, दानी कर्ण, सम्राटअशोक, भगत सिंह, चंद्रशेखर आदि की औलाद मानते हुए आपकी पार्टी को लंगड़ा बता रहे हैं। जाने किस लालच में कुछ विद्वान भी सत्यता से विमुख हो नक्कारों के खेमे में जा उनका साथ दे रहे हैं।'

- 'तुम सही बोल रही हो, हमारे देश में जयचंद की कुर्सी कभी खाली नहीं रही। जनता भोली है, इनके बहकावे में आ जाती है।'

- 'अपवाद छोड़ दिया जाय तो, जनता ही जयचंद को पाल रही है।'

गुदगुदी

मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा। **सोहन:** नहीं चार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा। **ड्राइवर:** अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

एक यात्री किसान से: अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।

किसान : बिलकुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला : मुझे चश्मा बनवाना है।

डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।

लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

जन्नत में फिर नापाक हिमाकत

सिर उठा रहे आतंकियों को कुचलने की कवायद तेज, सेना की कार्रवाई जारी

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : देश में जन्नत कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों की नापाक हिमाकत सामने आई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में एक सैनिक शहीद हो गया है और चार अन्य सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकवादियों ने शनिवार शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर पुंछ जिले के मेंढर तहसील के गुरसाई वन क्षेत्र में वायुसेना के दो वाहनों पर गोलीबारी की। भारतीय वायुसेना के काफिले में शामिल ट्रकों में से एक को हमले का सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ा और कई गोलियां उसकी ह्यविंडस्क्रीनह्ल और बगल में लगीं। इस हमले में पांच जवान बुरी तरह से घायल हो गए। घायल जवानों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घायल सैनिकों का इलाज सेना के उत्तरी कमान के मुख्यालय उधमपुर के कमांड अस्पताल में चल रहा है। एक घायल सैनिक विक्की पहाड़े ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि चार अन्य का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

उक्त घटना के साथ ही दुस्साहसी आतंकियों का फन कुचलने की कवायद तेज कर दी गई है। राष्ट्रीय राइफल्स और अन्य सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश का अभियान किया जा रहा है। यह हमला सुरनकोट के पास शाहसितर में हुआ। आशंका है कि आतंकी हमला कर जंगलों में भाग गए। दरअसल, ये घने जंगल और पहाड़ी वाला इलाका है। हमले को लेकर वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट पर कहा- पुंछ जिले में शाहसितार के पास आतंकवादियों द्वारा भारतीय वायुसेना के एक वाहन पर हमला किया गया। स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा क्षेत्र में फिलहाल घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

गौरतलब है कि निकटवर्ती राजौरी के साथ सीमावर्ती पुंछ जिले में पिछले दो वर्षों में कुछ बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं, जो इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों की वापसी का संकेत हैं। जबकि एक बार इस क्षेत्र को आतंकवाद से मुक्त कर दिया गया था और 2003 से 2021 के बीच यहां शांति थी। अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को होने वाले मतदान से तीन सप्ताह पहले यह घटना हुई है। सेना ने शनिवार की घटना के पीछे लश्कर का हाथ होने की आशंका जताई है।

बता दें कि सुरनकोट में 21 दिसंबर 2023 को भी सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले की जिम्मेदारी पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट ने ली थी। सेना के अधिकारियों को शक है कि शनिवार शाम को हुए हमले में भी इसी संगठन का हाथ है। पीएएफएफ लश्कर-ए-तैयबा की ही शाखा है।

बेटे के जन्मदिन पर घर आनेवाले थे विक्की

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार को एयरफोर्स जवानों पर हुए आतंकी हमले में शहीद जवान की पहचान विक्की पहाड़े के रूप में हुई है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के रहने वाले विक्की (33) 7 मई को अपने बेटे की जन्मदिन मनाने के लिए घर आने वाले थे। उन्होंने अप्रैल में अपनी बहन की शादी की थी। तब वे अपने परिवार से मिले थे। विक्की 18 अप्रैल को वापस ड्यूटी पर लौटे थे। वह एयरफोर्स में कॉर्पोरल रैंक पर तैनात थे। उन्होंने 2011 में एयरफोर्स जॉइन की थी। उनके परिवार में उनकी पत्नी, पांच साल का बेटा, मां और तीन बहनें हैं।

एक और बालाकोट स्ट्राइक की जरूरत : बख्शी

रक्षा मामलों के जानकार जीडी बख्शी का कहना है कि पिछले 2-3 साल में राजौरी और पुंछ इलाके में पाकिस्तान की आर्मी आतंकवाद को फिर से जिंदा कर रही है। पाकिस्तान यहां घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। हमें बालाकोट स्ट्राइक की तरह हमला करना होगा। जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी शेश पॉल वैद ने कहा जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने वाले हैं, यह पड़ोसी देश को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। पाकिस्तान में लोगों को डेमोक्रेसी से दूर रखा जा रहा है। वह हमारे इलाके पर ध्यान दे रहा है।

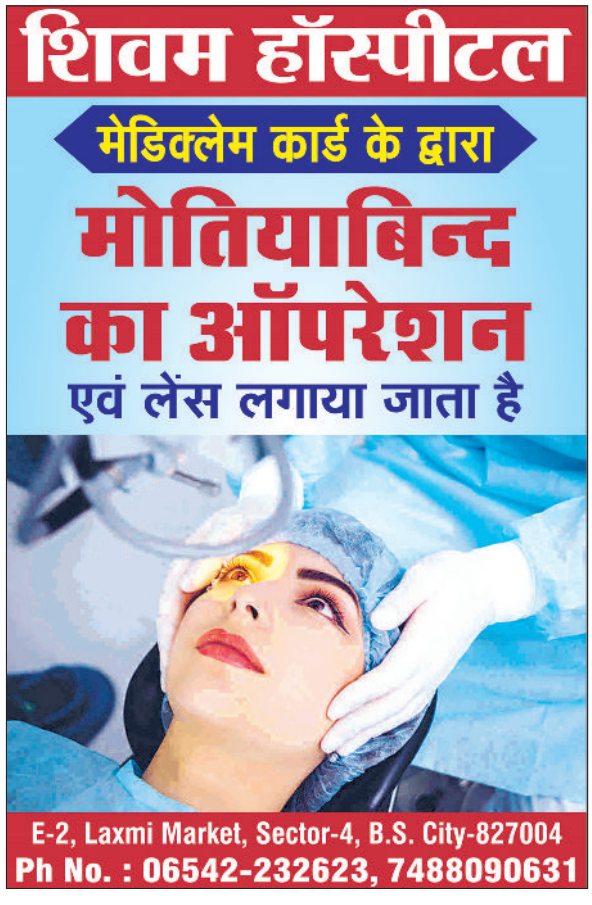

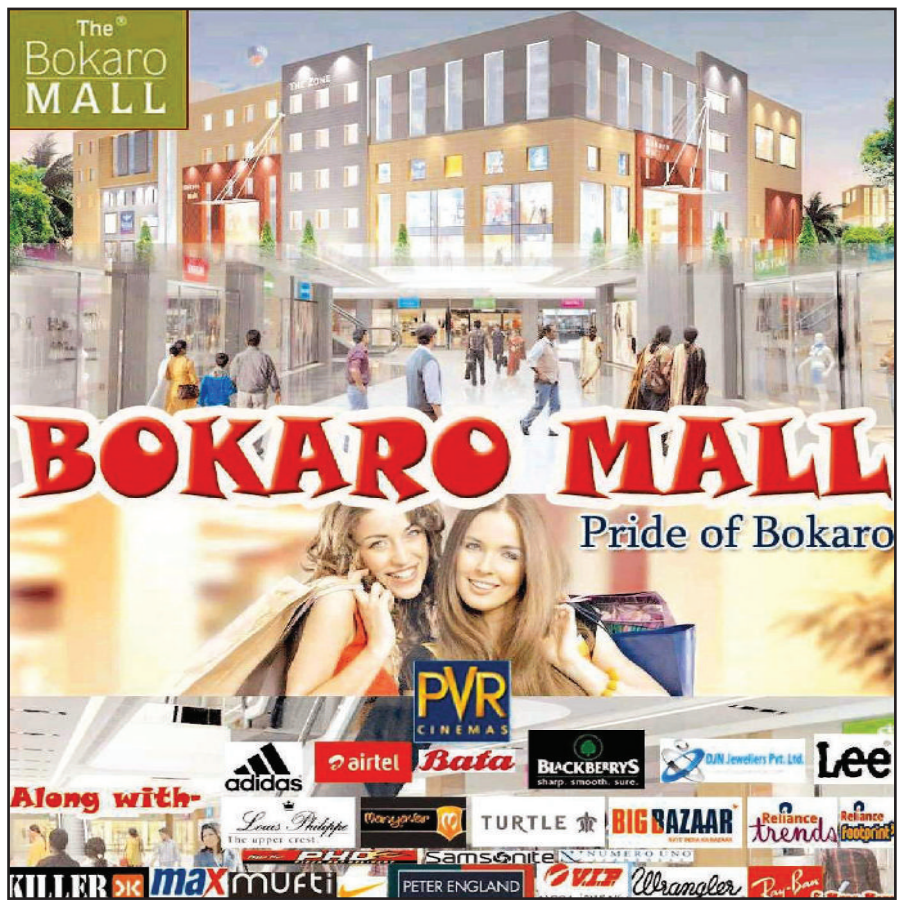

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)